

nt>

Title: Regarding workers rally on 26 February, 2003 in New Delhi against the economic policies of the Government resulting in unemployment.

## The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

(MR. SPEAKER in the Chair)

...(Interruptions)

**SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA):** Sir, we have given notice for suspension of Question Hour. ...(Interruptions) We have given notice for Adjournment Motion. ...(Interruptions) Today lakhs of workers from all over the country have come to Delhi. ...(Interruptions)

**अध्यक्ष महोदय:** प्लीज बैठिए। कोई एक सदस्य बोले तो मैं बात समझ सकता हूँ कि क्या बोलना है? सुनील खां जी, बैठिए।

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** मैंने कार्य स्थगन प्रस्ताव दिया है। आज दिल्ली की सड़कों पर पूरे हिन्दुस्तान के लाखों की संख्या में मजदूर सरकार की श्रम विरोधी नीति के चलते प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले चार बरसों में मजदूर विरोधी नीति के चलते एक करोड़ 70 लाख कर्मचारियों की छंटनी हो चुकी है और छोटे-बड़े मिला कर 6 लाख कारखाने इस सरकार की आर्थिक नीति के कारण भेंट चढ़ गए हैं। यह बहुत गम्भीर मामला है। मुनाफे के सरकारी उपक्रमों को बेचा जा रहा है जिससे मजदूर बेरोजगार हो रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधान मंत्री ने लाल किले के मैदान से यह घोषणा की थी कि वे एक र्वा में एक करोड़ लोगों को रोजगार देंगे। इसके बाद द्वितीय श्रम आयोग बना। **वै। (व्यवधान)**

**अध्यक्ष महोदय:** आप इतनी बात ही कहिए कि यह कार्य स्थगन प्रस्ताव कैसे है?

**श्री रामजीलाल सुमन :** यह सरकार मजदूर विरोधी है। ...**(व्यवधान)**

**अध्यक्ष महोदय:** यह एडजर्न मोशन नहीं हो सकता है। आप बैठिए।

**श्री रामजीलाल सुमन :** प्रॉविडेंट फंड की जमा राशि पर जो 12 परसेंट ब्याज था, उसे घटा कर 9 प्रतिशत कर दिया है। **वै। (व्यवधान)**

MR. SPEAKER: There cannot be an Adjournment Motion on this.

**श्री रामजीलाल सुमन :** दिल्ली की सड़कों पर लाखों की संख्या में मजदूर प्रदर्शन कर रहे हैं। हमने कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है।

**अध्यक्ष महोदय:** स्थगन प्रस्ताव कैसे होता है, इतना ही बता दीजिए।

**श्री रामजीलाल सुमन :** केन्द्र सरकार मजदूरों का गला घोटने का प्रयास कर रही है। मेरा आग्रह है कि समस्त कार्यवाही रोक कर इस पर चर्चा कराने का कट करे। **वै। (व्यवधान)**

**SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ):** Sir, giving advance notice, lakhs of workers of the Central Trade Unions – INTUC, CITU, AITUC, ETUC and even HMS – have assembled today on the streets of Delhi to focus attention on the demands of struggling workers who are losing their jobs everyday under this Government. Till today, only in the State of West Bengal, more than one lakh people have become jobless because of the winding up of companies one after the other through the BIFR as a result of this Government's policy of disinvestment.

**SHRI A.C. JOS (TRICHUR):** What about Kerala?

**SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI :** I am coming to that.

The same is the fate of Maharashtra, the same is the fate of Kerala and the same is the fate of the rest of India right from the textile units of Gujarat to the sugar mills of Uttar Pradesh.

MR. SPEAKER: You cannot make a speech, you are aware of that.

**SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI :** Mr. Speaker, Sir, wages of workers of one of the major jute units of NJMC in West Bengal have not been reimbursed. The draconian recommendation of the National Labour Commission is posing another threat to the working class. If the Government does not heed to the request of farmers and workers, whom they have been neglecting, the inner strength of the country will be destabilised and paralysed. The Prime Minister is present today. Since it was the Prime Minister who assured and promised that under his Government, not only one crore jobs would be generated but also that the existing jobs would be protected, I demand that he should respond to the cry of the workers who are now on the street.

MR. SPEAKER: Please sit down.

**SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI :** The Department of Arun Shourie and the Ministry of Finance are everyday taking away the bread of hundreds and thousands of workers. I want a comprehensive policy to restructure and rehabilitate the public sector units that have been closed and I demand that HPCL and BPCL should not be

disinvested forcibly.

MR. SPEAKER: This is an issue of workers who are marching to Parliament today.

...(Interruptions)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, we have given notice for Adjournment Motion. You allow us. ...(Interruptions)

**श्री रामजीलाल सुमन** : अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों ने कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है, उसके लिये आप निर्णय दीजिये। यह एक गंभीर मामला है।

**अध्यक्ष महोदय** : मुलायम सिंह जी, मैं आपसे यह कहना चाहता हूँ कि मैंने आपको इजाजत दी है लेकिन आप यह समझने की कोशिश कीजिये कि यह सदन में प्रश्नकाल का समय है और मुझे प्रश्नकाल शुरू करना है। आपने क्वेश्चन ऑवर को सस्पेंड करने के लिये नोटिस दिया है। इसलिये मैंने आपको इजाजत दी है। मैं सभी सदस्यों के इजाजत नहीं दे सकता, नहीं तो प्रश्नकाल होगा ही नहीं। यह आप सब जानते हैं। इधर वाले माननीय सदस्य चाहते हैं कि प्रश्नकाल हो जाये

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): We have given notice for suspension of Question Hour.

**डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली)** : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि मजदूरों और किसानों की जितनी यह सरकार हिलती है, पिछले पचास सालों में कभी नहीं हुआ है। वैस्ट बंगाल या कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाई जा रही सरकारें मजदूरों के साथ अन्याय कर रही हैं। (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : The assurance was given by these people. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please sit down now. Today there is no 'Zero Hour'. I have permitted a few Members to speak because there is no 'Zero Hour' today. But one must understand that he must stick to only the point as to why this happens to be an Adjournment Motion. No other point can be discussed.

**श्री प्रमुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार)** : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे कल कहा था कि आप पहले मेरा नाम लेंगे। आज मेरा पहला नाम है, इसलिये मैं अपनी बात कहना चाहता हूँ। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मैंने (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : आप कृपया बैठिये।

**श्री मुलायम सिंह यादव (सम्मल)** : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़े शब्दों में अपनी बात कहना चाहता हूँ। मुझे खुशी है कि आज सदन में माननीय प्रधान मंत्री जी बैठे हुये हैं। आज सारे हिन्दुस्तान के मजदूर आन्दोलित होकर सड़कों पर आये हुये हैं लेकिन अफसोस की बात यह है कि प्रति वर्ष एक करोड़ लोगों को रोजगार दिये जाने का वायदा कि गया था और उसके लिये इस सरकार ने एक कमेटी बैठाई थी। (व्यवधान)

**डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा** : अब तक डेढ़ करोड़ लोगों को रोजगार दिया गया है।

**श्री मुलायम सिंह यादव** : अध्यक्ष महोदय, शायद मलहोत्रा जी पढ़ते-लिखते नहीं क्योंकि इन्होंने एक करोड़ लोगों को रोजगार देने का वायदा किया था लेकिन 2 से 3 करोड़ लोगों की छंटनी भी हुई है। प्रधान मंत्री जी ने स्वयं रोजगार के अवसर ढूँढने के लिये एक समिति बैठाई थी। उसकी रिपोर्ट आ गई है, शायद मलहोत्रा जी ने वह रिपोर्ट नहीं पढ़ी। यह बहुत गंभीर मामला है। उस समिति की रिपोर्ट आ गई है। समिति का कहना है कि 10वीं पंचवर्षीय योजना के खत्म होने तक 3 करोड़ लोगों की संख्या बेरोजगारी में बढ़ जायेगी। आज 10-11 करोड़ लोगों के नाम रोजगार कार्यालयों में दर्ज हैं। इससे और बेरोजगारी हो जायेगी। आप एक तरफ रोजगार छीन रहे हैं और दूसरी तरफ जिन पब्लिक अंडरटेकिंग में, जहाँ अरबों-खरबों रुपये की सम्पत्ति लगी हुई है, और वे घाटे में नहीं, फिर भी उन्हें बेचा जा रहा है

इसलिए हमारा आरोप है कि यह पहली सरकार है जिसने हिन्दुस्तान की सम्पत्ति को बेचा है। मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा, मैं कहना चाहता हूँ कि आप सारे कार्यक्रम रद्द कीजिए और इस पर बहस कराइये। माननीय प्रधान मंत्री जी आप यहां बैठे हुए हैं, कृपया एक संतोजनक उत्तर दीजिए। यदि इसी तरह से हिन्दुस्तान की सम्पत्ति को बेचते चले जायेंगे तो बेरोजगारी बढ़ती चली जायेगी और अगर बेरोजगारी बढ़ती चली जायेगी तो आप न तो आतंकवाद से लड़ पायेंगे। आप चाहे विदेशों में जाकर कितनी ही अपनी बात कहिये, लेकिन आप इस देश को खोखला कर रहे हैं। सड़कों पर आज असंतोह है, अलगाव है। इसलिए देश को एक रखने के लिए आप गंभीरता से विचार कीजिए और जो सरकारी सम्पदा बेची जा रही है, उसे बेचना बंद कीजिए और लोगों को रोजगार के अवसर दीजिए। इसलिए हम चाहते हैं कि सारी कार्रवाई रोककर इस पर बहस हो।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Mr. Speaker, Sir, I beg of everybody in this House not to treat this matter as just a routine matter that the Opposition is raising.

I am happy that the hon. Prime Minister is here. This is a matter which not only we, as the Opposition parties, are raising, but many of the hon. Members in the NDA have openly supported several of the issues raised by us concerning the working class today.

As regards disinvestment, we have been saying that *per se* we are not objecting to it. But the question is, what is the result of this on the economy of this country? What is the position of the workers in this country? Privatisation for whose benefit? What is happening with the sale proceeds in this country? These are very serious matters. Now, how many jobs have been lost? What is the good of saying that 'we are giving one crore jobs'? There is a drop in the employment of workers by eight per cent in two consecutive years. More and more unemployment is coming. No new economic activity is there.

So far as the agricultural workers are concerned, they are facing the greatest problems. Every State is saying that. The other day my esteemed friend, Shri K. Yerrannaidu had very rightly referred to this issue. Other States are also raising it....(Interruptions)

There is greater and greater penury so far as the working class is concerned.

So, far as the provident fund is concerned, the interest rate has gone down. The Prime Minister knows that we are forwarding letters to him and also to the Finance Minister in this regard. All over the country, people are asking about it.

Imports are being allowed in an unlimited manner. Every section of the country today is suffering. We are raising it not just as a matter for the sake of criticising the Government. People are feeling the impact of this. That is why lakhs and lakhs of workers, though they support different central trade unions, across the board, have come to Delhi to express their grievances to the Government of India.

The hon. Prime Minister of India is sitting here. I am requesting you, Mr. Prime Minister, that these are your citizens. They have come here to express their agony, to express their protest against the policies which are only aggravating the economic problems in this country. Who is benefited out of these programmes? The Government has to make their position clear.

Therefore, Sir, I would request all sections of the House not to treat this as a routine matter. The Government should not think that the Opposition is raising it for the sake of opposition. All over the country, people have come here. They are opposing their policies...*(Interruptions)*

I wish to say that if no action is taken by the Government on the Charter of Demands of these workers, they should not think that they can go on suppressing the workers, go on using POTA and dismissing the workers. They will never accept this...*(Interruptions)*

SHRI KHARABELA SWAIN (BALASORE): Sir, let me also ask some questions. You allow us also. How many units have been disinvested in West Bengal?...*(Interruptions)*

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : I request the Government to wake up...*(Interruptions)* The hon. Prime Minister should make the position clear so that the reasonable demands of the workers can be accepted.

...*(Interruptions)*

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, I would like to know this. Every day they are getting up and speaking that Central PSUs are being dismantled. ...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Please sit down now. Now, Shri Chandra Shekhar.

...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: I am going to ask the Government. If they want to react to this, they can do so. Otherwise, I will give my ruling.

...*(Interruptions)*

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I was drawing the attention of the Prime Minister only. ...*(Interruptions)*

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, I would like to know that whether any Central PSU has been privatised in West Bengal and if the West Bengal Govt. has sold of any state PSU?. ...*(Interruptions)*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, he can be included in the Cabinet so that he can reply every day! ...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Well, I have no authority to include him in the Cabinet! ...*(Interruptions)*

SHRI RUPCHAND PAL : Sir, you can make such a suggestion! ...*(Interruptions)*

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, आप हाउस को व्यवस्थित करिये। इनका आचरण सदन में रोज़ ऐसे ही होता है। *(ब्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : आपके बाजू में चन्द्रशेखर जी खड़े हैं, उनको बोलने दें। यह ठीक नहीं है।

...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Please sit down.

...*(Interruptions)*

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, he may be wanting to become a Minister, but he says that I want to become a Minister. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Swain, please take it in a lighter vein.

...(*Interruptions*)

SHRI KHARABELA SWAIN : Why is he saying like that? Is he not speaking like that to impress his leader? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. Now, Shri Chandra Shekhar.

**श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.)** : अध्यक्ष महोदय, मुझे एक ही निवेदन करना है। प्रधान मंत्री जी ने प्रारंभ में ही कहा था कि हर साल 1 करोड़ लोगों को रोज़गार दिया जाएगा और देश में एक बड़ी आशा जगी थी कम से कम मज़दूरों के बारे में, लेकिन हर साल एक करोड़ लोग बेरोज़गार हो रहे हैं। **â€**(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, या तो मैं बैठ जाऊं वरना मुझे इस तरह से बोलने की आदत नहीं है। आपने निर्देश दिया है नहीं तो मुझे कुछ कहना नहीं है।

खादी कमीशन जो सरकारी संस्था है, उसने कहा है कि अगर अकेले कतीनों को जोड़ दिया जाए तो 40 लाख लोग खादी ग्रामोद्योग में बेरोज़गार हुए हैं। हर साल नये-नये नियम निकल रहे हैं। रोज़गार के जो साधन बनाए गए थे सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों में, वे कंपनियां आज बंद हो रही हैं या उनका डिसइन्वैस्टमेंट हो रहा है। इस कारण लोगों में असंतोह बढ़ रहा है। **â€**(व्यवधान)

SOME HON. MEMBERS: Sir, there is no translation.

MR. SPEAKER: I will just check it up.

SHRI CHANDRA SHEKHAR : I was just referring to the promise made or an assurance given by the hon. Prime Minister that one crore jobs will be created every year, but the reality is otherwise. Every year, more than a crore of people are getting unemployed.

In the Khadi Commission itself, more than 40 lakh people have been made unemployed, according to the report of the Khadi Commission. The public sector units are closing down or are being disinvested. It is resulting into more unemployment. The small-scale industries are not able to compete with the foreign imports and they are closing down. The situation is becoming grave.

If there is no dissatisfaction among the working class and if we do not take any measures to satisfy them, the situation may go out of hand. It will be difficult to run our institutions on democratic pattern if we have a dissatisfied lot of working class. This is my submission.

MR. SPEAKER: Would the Government like to react to this?

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the Prime Minister must respond. It is a serious matter. ...(*Interruptions*)

**श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य)** : महोदय, वर्कर्स का नुकसान हो रहा है। सरकार जो डिसइन्वैस्टमेंट कर रही है, उससे वर्कर्स का नुकसान हो रहा है। इस बारे में सरकार की नीति स्पष्ट होनी चाहिए। **â€**(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, please allow me. I have also given a notice. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. This is Question Hour. I cannot permit each and every hon. Member to speak. Please sit down.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, please allow me. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let me tell you that I have received on this issue of suspension of Question Hour, notices from seven hon. Members and on the Adjournment Motion, from 11-12 hon. Members.

...(*Interruptions*)

**डॉ. जसवन्त सिंह यादव (अलवर)** : ये सारे क्यों खड़े हो जाते हैं? **â€**(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जब मैं बोल रहा हूँ तो आप क्यों खड़े हो जाते हैं?

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am explaining it to them. All the Members cannot be allowed to speak. Please sit down.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: If 2-3 hon. Members want to speak, they can.

...(Interruptions)

**अध्यक्ष महोदय :** श्री सुनील खान, कृपया आप अपनी जगह पर जाइए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Sunil Khan, please go back to your seat.

...(Interruptions)

**अध्यक्ष महोदय :** मैं इस विषय पर मैं सभी सदस्यों को बोलने की अनुमति नहीं दे सकता हूँ। मैं केवल दो-तीन सदस्यों को बोलने की अनुमति दूंगा। उसके बाद प्रधान मंत्री जी रेस्पांड करेंगे।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please sit down. I cannot permit all the hon. Members to speak. Shri Basu Deb Acharia may speak. Shri Acharia, please finish it in two minutes only and not more than that.

...(Interruptions)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Today lakhs of workers have come to Delhi and they are demonstrating. There is a serious situation in our country. A large number of public sector undertakings like the fertiliser units in Gorakhpur, Barauni, Durgapur, Haldia, Talcher, Ramagundam – actually eight units of fertiliser plants – are closed down. Hindustan Fertilisers, FACT, Fertiliser Corporation of India, etc. have been closed down.

When we met the Prime Minister, he himself assured us that there should be at least one fertiliser unit in each State. But that assurance was not kept. All the units are closed down. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Now, Dr. Raghuvansh Prasad Singh.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Acharia, we have not started a debate on this issue. Please sit down. You cannot go on giving a speech. Now, Dr. Raghuvansh Prasad Singh.

Shri Acharia, please sit down.

...(Interruptions)

SHRI BASU DEB ACHARIA : The working class got their rights after many struggles. ...(Interruptions) All those rights are being withdrawn now. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I have received a number of notices. Please sit down.

...(Interruptions)

SHRI BASU DEB ACHARIA : There is a proposal to amend the Industrial Disputes Act. The Contract Labour (Regulation and Abolition) Act is to be withdrawn – that was the proposal – so that the multinational companies can exploit the workers by engaging contract workers and give minimum wages. Interest rates have been reduced. ...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia, please sit down. This is not a debate. You can only speak on why you want to press the Adjournment Motion, and nothing else. Now, Dr. Raghuvansh Prasad Singh.

...(Interruptions)

SHRI BASU DEB ACHARIA : We demand that the Government withdraw the policy of disinvestment.

...(Interruptions) The Government should withdraw the policy and the Prime Minister should come forward with a statement. ...(Interruptions)

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) :** अध्यक्ष महोदय, देश के कोने-कोने से तमाम वर्कर्स, मजदूर, सभी ट्रेड यूनियनों के लोग, जन्त-मन्तर पर बड़ा भारी प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार की किसान-विरोधी और मजदूर-विरोधी नीतियों के कारण देश में बेरोजगारी बढ़ रही है। बेरोजगार तबाह हो रहे हैं, नौजवान लोग, पढ़े-लिखे लोग,

अनपढ़ लोग, आधे पढ़े-लिखे लोग, सभी तबकों के नौजवान लोग बेरोजगार हो रहे हैं। इसके कारण देश भर में कोलाहल मचा हुआ है। **â€¦** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** रघुवंश प्रसाद जी, कृपया समाप्त करिए।

...(व्यवधान)

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह :** देश के सामने गम्भीर सवाल है कि सरकार की खराब आर्थिक नीतियों के चलते, किसान-विरोधी तथा जन-विरोधी नीतियों के चलते बेरोजगारी बढ़ रही है और प्राइवेट कंपनियों और मल्टी नेशनल्स को मुनाफे वाले सरकारी उद्योगों को औने-पौने दामों में बेचा जा रहा है और इस प्रकार से देश का धन विदेशियों को जा रहा है। विदेशियों को फायदा पहुंचाने के लिए देश की सम्पत्ति बेची जा रही है। इसी के चलते जन्त-मन्तर पर जो प्रदर्शन हो रहा है, वह बड़ा शानदार, जानदार और बड़ा भारी प्रदर्शन है। सरकार की नीति के खिलाफ, डिसइनवेस्टमेंट के खिलाफ लोग जुटे हुए हैं और देश के करोड़ों लोग यह सोचते हैं कि यह सरकार विदेशी लोगों के दबाव में आकर काम कर रही है और देश-विरोधी नीतियां चलाई जा रही है। **â€¦** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह जी, कृपया बैठिए।

...(व्यवधान)

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह :** इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि सरकार अपनी किसान-विरोधी, मजदूर-विरोधी और जनविरोधी नीतियों को चलाने से तत्काल रोके। मैं यही बात कहना चाहता हूँ।

**अध्यक्ष महोदय :** राम विलास पासवान जी, अब आप बोलिए। लेकिन मैं आपके निवेदन शुरू करने से पहले जिन लोगों ने इस विषय में नोटिस दिए हैं, मैं उनके नाम लेना चाहता हूँ - श्री अजय चक्रवर्ती, श्री रामजी लाल सुमन, श्री बसुदेव आचार्य,

श्री अजय चक्रवर्ती, श्री रामजीलाल सुमन, श्री बसुदेव आचार्य, श्री लक्ष्मण सेठ, श्री रूपचंद पाल, श्री हन्नान मोल्लाह, श्री सुनील खां, श्री मोइनुल हसन, श्री प्रबोध पाण्डा, श्री दासमुंशी, श्री रघुवंश प्रसाद सिंह और श्री रामविलास पासवान। These Members have given notices on this issue. Please remember, मैंने आपको जो इजाजत दी है, वह केवल एडजर्नमेंट मोशन क्यों होना चाहिए, इस विषय पर बोलने के लिए दी है।

**श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) :** अध्यक्ष महोदय मैं सिर्फ दो बातें बोलूंगा। तमाम पक्ष के लोग इस बात को जानते हैं, **â€¦** (व्यवधान)

**श्री प्रभुनाथ सिंह :** महोदय, श्री दासमुंशी जी यहां बैठे हुए हैं, उनके सामने यह बात कही थी कि कल मैं आपको पहले बुलाऊंगा, लेकिन अभी तक हमें नहीं बुलाया गया। हम आपसे निवेदन करेंगे कि हमारा इससे भी अति महत्वपूर्ण सवाल है, इसलिए हमारी बात पहले सुनी जाए। **â€¦** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** प्रभुनाथ सिंह जी, यह विषय पूरा होने के बाद मैं आपको इजाजत देने वाला हूँ। अभी आप बैठ जाइए।

**श्री प्रभुनाथ सिंह :** अध्यक्ष महोदय, तब तक 12 बज जाएंगे और आप रेल बजट शुरू करा देंगे।

**अध्यक्ष महोदय :** मैं उससे पहले यह विषय पूरा करूंगा और आपको बोलने की इजाजत दूंगा।

**श्री प्रभुनाथ सिंह :** अध्यक्ष महोदय, हमारी बात सुनने के बाद ही रेल बजट होगा।

**अध्यक्ष महोदय :** पासवान जी, आप जल्दी बोलिए।

**â€¦** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** मैंने अन्य किसी को बोलने की इजाजत नहीं दी है, कृपा कर आप बैठ जाइए।

**श्री राम विलास पासवान :** अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ एक मिनट बोलूंगा। मैं सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा यह उठाना चाहता हूँ कि पब्लिक अंडरटैकिंग्स में एससी, एसटी के लोगों का रिजर्वेशन था और अब ये पब्लिक सैक्टर से प्राइवेट सैक्टर में लाए जा रहे हैं और उनमें कोई रिजर्वेशन का प्रावधान नहीं है। हम जब मंत्रालय में थे, प्रधानमंत्री जी और अरुण शौरी जी यहां बैठे हुए हैं, हमने हर बार इस मुद्दे को उठाया था बैंकवर्ड ऐरिया का सिंदरी और बरोनी का कारखाना बंद हो गया, जो बैंकवर्ड क्लास और एसटी के लोग हैं उन्हें इनमें एक साल में लाखों लोगों को रोजगार मिलता था, उनका प्राइवेट सैक्टर में जाने के बाद रोजगार छीन लिया गया है। इससे सबसे ज्यादा तबाही हो रही है। जो वीकर सैक्शन और बैंकवर्ड ऐरिया के लोग हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अभी तक 29,000 करोड़ रुपए की संपत्ति बेची जा चुकी है। ये रुपए कहां लगाए जा रहे हैं? किसी को पता नहीं है। उसे एम्प्लायमेंट और ट्रेनिंग के लिए तथा लोगों को समान स्तर पर लाएं, इसके लिए क्यों नहीं खर्च किए जा रहे हैं। एक तो डिसइनवेस्टमेंट की पालिसी गलत है, दूसरा जो डिसइनवेस्टमेंट हो रहा है या बेचा जा रहा है, उस पैसे को कहां लगाया जा रहा है और तीसरा यह है कि जो एससी, एसटी के लोग हैं तथा बैंकवर्ड क्लास के हैं, उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा कैसे होगी?

MR. SPEAKER: Shri Ajoy Chakraborty, you may place your viewpoint only in two sentences and not more than that.

SHRI AJOY CHAKRABORTY (BASIRHAT): Sir, the working class in lakhs and lakhs is assembling in the capital of our country... (Interruptions)

**श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) :** अध्यक्ष महोदय, हमें बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा है। **â€¦** (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** इनका नोटिस है, आपका नोटिस नहीं है।

SHRI AJOY CHAKRABORTY : The working class is assembling in the capital to express its agony and protest against the anti-workers policies of the Government of India. One after other, all the public sector units are being transferred to private sector units. The Government of India is closing down even those public sector units which are making profits. Prestigious profit-making public sector units, like HPCL and BPCL, are being closed and

thousands and thousands of the workers are thrown out of job.

In its last election manifesto, the BJP assured the people to provide one crore jobs every year. Instead of providing jobs, lakhs and lakhs of workers are thrown out of job....(Interruptions)

MR. SPEAKER: It is not possible. More than enough Members have put their viewpoints.

...(Interruptions)

SHRI AJOY CHAKRABORTY : Today, lakhs and lakhs of workers are assembling under the banners of all trade unions to express their agony and protest against the anti-workers policies of the Government of India. The Government should change its policy....(Interruptions)

MR. SPEAKER: Sorry, I cannot permit all the Members to speak. Please sit down. Let me have the reaction of the Government.

â€¦(व्यवधान)

**प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी)** : अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रतिपक्ष ने जो मामला उठाया है, वह गम्भीर है। लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि मामला इस समय उठाने के बजाय अगर प्रतिपक्ष प्रश्नकाल के बाद यह सवाल उठाता तो ज्यादा अच्छा होता।â€¦(व्यवधान) मैं नहीं जानता कि आधे घण्टे में कितने बेरोजगारों की संख्या बढ़ी है, लेकिन मैं यह जरूर जानता हूँ कि आधा घण्टा हमने ऐसी बात के लिए बिताया है, जिस बात के ऊपर सदन में कोई मतभेद नहीं है।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please keep quiet now. प्रधानमंत्री जी बोल रहे हैं, आप तो कम से कम मत बोलिये।

...(Interruptions)

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : देश में बेकारी की विकराल समस्या है। सब पार्टियां बेकारी से लड़ना चाहती हैं, सब पार्टियां रोजगार के अवसर बढ़ाना चाहती हैं, लेकिन पार्टियां जानती हैं और जो सत्ता में हैं, वे तो और अच्छी तरह से जानती हैं, भले ही वे दिल्ली में सत्ता में न हों, कलकत्ता में हैं, वे अच्छी तरह से जानती हैं कि कठिनाई है।â€¦(व्यवधान) मैं उस कठिनाई पर विचार करने के लिए तैयार हूँ।

**श्री सोमनाथ चटर्जी** : कब?

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : जब आप तय करें। लेकिन जिस तरह से चर्चा हो रही है, उससे कोई नतीजा नहीं निकलेगा, सोमनाथ बाबू। आपने मामला उठा दिया, मजदूरों में जाकर आप भागण कर सकते हैं, हम भी यही धंधा करते थे, लेकिन हमने देखा कि इससे समस्या हल नहीं हुई है।â€¦(व्यवधान)

**श्री रूपचन्द पाल** : आप इसे धन्धा समझते हैं, लेकिन हमारे लिए यह प्रिंसीपल है।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : रोजगार के अवसर बढ़ाने का पूरा प्रयास हो रहा है। मैं आपको एक आंकड़ा देना चाहता हूँ। हमने एक करोड़ रोजगार की बात कही थी। एक करोड़ हमारा लक्ष्य था, उस एक करोड़ की संख्या में से हम अभी तक 70 लाख लोगों को नये रोजगार दे सके हैं।â€¦(व्यवधान) हम चर्चा के लिए तैयार हैं। आइये, एक बहस हो जाये।

MR. SPEAKER: Please keep quiet. प्लीज सुनिये, आप लोग बैठिये।

...(Interruptions)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : It is factually incorrect. Let the Prime Minister make it clear as to which are the areas where these 70 lakh jobs have been created....(Interruptions)

**अध्यक्ष महोदय** : प्रभुनाथ सिंह जी, आप अपना पक्ष रखिये, वह रिकार्ड पर आ जायेगा।

â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : प्लीज बैठिये। It will go on record.

**श्री रामजीलाल सुमन** : प्रधानमंत्री जी के बयान का कोई अर्थ नहीं है, बेरोजगारों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है।â€¦(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : प्लीज सिट डाउन, मैं खड़ा हूँ। देखिये, आप लोगों ने प्रश्न उठाया है, आप लोगों ने अपने विचार रखे, प्रधानमंत्री जी ने उत्तर दिया। मेरी दृष्टि से यह प्रश्न आज के लिए पूरा हो गया है। मैं प्रभुनाथ सिंह जी को उनका प्रश्न रखने के लिए कह रहा हूँ। प्रभुनाथ सिंह जी, आप अपना प्रश्न रखिये।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, the Prime Minister is saying that 70 lakh jobs have been created...(Interruptions) This is not factually correct...(Interruptions). Just now the former Prime Minister, Shri Chandra Shekhar has said that 40 lakh jobs have been taken away....(Interruptions). This is not the way.

MR. SPEAKER: You can ask for a discussion on this subject. I will take it to the Business Advisory Committee and give you a discussion if the Committee agrees.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज बैठिये। आप इस विषय पर चर्चा कर सकते हैं। प्लीज बैठिये।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, इस बयान का कोई मतलब नहीं है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कृपया दूरदर्शन रिले बन्द किया जाये।

...(Interruptions)

श्री कांतिलाल भूरिया (झाबुआ) : प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि हर साल हम एक करोड़ लोगों को रोजगार देंगे। (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री जी के बयान का सत्यता से कोई सम्बन्ध नहीं है। (व्यवधान)

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, हम इस विषय पर सदन का बहिष्कार करते हैं।

11.37 hrs.

( Shri Ramdas Athawale then left the house)

MR. SPEAKER: Slogans should not be taken on record. No slogan should be taken on record.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: This being an important issue, I am prepared to give you a debate on this issue. You can ask the hon. Prime Minister whatever you want. If you do not agree with him, you can discuss the issue. If you want a debate, a special debate can be arranged on this issue. I will take it to the Business Advisory Committee as early as possible. You can raise all these questions in the debate. The problem cannot be resolved by shouting in the House.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please listen to Shri Somnath Chatterjee.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : मैं दूसरे विषय पर हूँ। मैं यह प्रश्न सोल्व करना चाहता हूँ, इससे आपको फायदा होगा। मैं आपको मौका दे रहा हूँ, इसीलिए तो रास्ता ढूँढ रहा हूँ।

...(Interruptions)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Mr. Speaker, Sir, it is a matter of great regret that the Prime Minister's observation showed total insensitiveness on the part of the Government....(Interruptions)

श्री वी.धनञ्जय कुमार (मंगलौर) : अध्यक्ष महोदय, हम ऐसी बातों को सुनने के लिए तैयार नहीं हैं, यह क्या तरीका है। प्रधानमंत्री जी जब बोल चुके तो उसके बाद आप क्या बोलना चाहते हैं? प्रधानमंत्री जी के जवाब के बाद हम आपकी बात सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। प्रधानमंत्री जी ने ठीक जवाब दिया है, उसके बाद उनकी समस्या का समाधान होना चाहिए था। (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : यह क्या मजाक बना रखा है और आप उनको इजाजत दे रहे हैं। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have not permitted you to speak on this issue. You can only tell me what is the way out. The way out is to have a debate on this and ask the Government to give a reply.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I do not know who is giving information to the hon. Prime Minister....(Interruptions)

श्री वी.धनञ्जय कुमार : अध्यक्ष महोदय, हम ऐसी बातें सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। (व्यवधान) यह क्या तरीका है ? प्रधान मंत्री जी ने जब जवाब दे दिया, उसके बाद आप क्या बोल रहे हैं ? (व्यवधान) हम इसे सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। (व्यवधान) प्रधान मंत्री जी के जवाब देने के बाद यह क्या तरीका हो सकता है ? (व्यवधान) प्रधान मंत्री जी ने ठीक जवाब दिया है। (व्यवधान)

उसके बाद तो समाधान होना चाहिए था। (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, they are not questioning me; they are questioning you every minute. They are challenging the hon. Speaker every minute....(Interruptions) यह क्या हो रहा है ? (व्यवधान)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : वैंस्ट बंगाल में सबसे ज्यादा (व्यवधान)

कितनी बार आपको बोलने का मौका देंगे ? (व्यवधान)



**श्री सोमनाथ चटर्जी** : मिनिस्टर उठकर नहीं बोलते इसलिए आप बैठ जाइये। **â€** (व्यवधान)

**श्री विष्णु पद राय** : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो लेंगेज यूज की है, वह ठीक नहीं है। **â€** (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have made a suggestion in order to resolve the deadlock in the House. It is now the responsibility of both the Ruling as well as the Opposition Parties to see that the functioning of the House is not disturbed. I have taken the name of Shri Prabhunath Singh because he has to speak on an important issue.

...(Interruptions)

MR.SPEAKER: Please listen to me. This is not the way in which the proceedings of the House can be conducted.

I have requested Shri Somnath Chatterjee to find a way out for resolving the deadlock. My only point is that I am not requesting him to speak on the item that is before us because that is already over. The hon. Prime Minister has given the reply.

SHRI RUPCHAND PAL : Sir, he has not given any reply...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please let me complete. Shri Rupchand Pal, please sit down. I will not allow you to speak like this.

My only anxiety is that this being an important issue, I want a detailed debate on this. I can also understand the importance of unemployment in the country. The hon. Prime Minister has rightly said that every political party has tried to resolve this issue for several years but they have not been able to do so. Therefore, I would like to request the Opposition Parties to move a complete resolution on this issue and let us discuss that. There is no harm in discussing it. But at the same time, I do not want a debate to be started again on this issue. Shri Somnath Chatterjee, if you have any suggestion to make in this regard, you may do so.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, the hon. Prime Minister himself has admitted that the issue is very `gambhir'. This is his own word. Even with my imperfect Hindi, I think, it is `very serious'. We expected that the hon. Prime Minister – we have got the advantage of his presence today – would indicate as to how this गंभीर समस्या का हल होगा।

**डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा** : अभी दो मिनट में कैसे हो जायेगा ? **â€** (व्यवधान)

**श्री सोमनाथ चटर्जी** : अध्यक्ष महोदय, हाउस ऐसे कैसे चलेगा ? **â€** (व्यवधान)

हम इनकी सराहना करते हैं, इन्हें एप्रीशियेट करते हैं। **â€** (व्यवधान)

I am appreciating the hon. Prime Minister that he has been kind enough to admit the seriousness of the matter.

Sir, we are not children that we will expect that in one sentence the hon. Prime Minister will solve everything.

MR. SPEAKER: Please give me your suggestion.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, we would like to have the direction from the hon. Prime Minister.

Sir, he has made two observations which have pained me. He considers that espousal of the cause of the workers is a `धंधा'। I did not expect it from Shri Atal Bihari Vajpayee. Secondly he ...(Interruptions)

**डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा** : आपको इसका मतलब समझ में नहीं आया। **â€** (व्यवधान)

हिन्दी में धंधा का मतलब रोजगार से है। **â€** (व्यवधान) जब आप लेंगेज ही नहीं समझते तब आप इसके बारे में कैसे कह सकते हैं। **â€** (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : You do not have to protect him.

Sir, if this is the way they are behaving, then you please stop the proceedings of the House...(Interruptions)

I am only saying that he has given figures that there are 70 lakh new employment. I think, it should be plus and minus both, taking into consideration that new 70 lakh people have been given employment and some provision has been made for those who have lost their jobs. He has just been told or misled by somebody, I do not know. I am sure, he will not knowingly mislead the House. There are advisors who are misleading him and thereby the country is being misled. I am requesting...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Would you agree for a discussion?

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : He should take the initiative and take the country into confidence and tell the people as to how to solve this serious matter. The people have not come here for the purpose of enjoyment and merry making. Lakhs of people are in Delhi. They have come here because they are anguished and they are facing

the problem of their survival. यह हाउस का मजाक बना रहे हैं।

MR. SPEAKER: I have made a suggestion for a debate. If you agree for a debate, it is all right; otherwise, there is no item.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Are you responding to my suggestion for a debate on the issue?

...(Interruptions)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : I am thankful to the hon. Prime Minister for his intervention in this matter.

MR. SPEAKER: I do not want you to make comments on his remarks again. That is why I am saying that I will give you a debate.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Please sit down. What is your suggestion now?

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : We are thankful to the Hon. Prime Minister.

**11.46 hrs.**

*(At this stage, Shri Prabhunath Singh came  
and stood near the Table.)*

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमें भी बोलने की अनुमति दीजिए। हमारी बात भी सुनिए। ये क्यों बोलेंगे? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप शुरू कीजिए। मैं आपको इजाजत देता हूँ।

(व्यवधान)

**11.47 hrs.**

*(At this stage, Shri Prabhunath Singh  
went back to his seat.)*

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Now Shri Prabhunath Singh may speak.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, आप शुरू कीजिए। मैं आपको इजाजत देता हूँ।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम आपको यह बताना चाहते हैं कि (व्यवधान) हमें बोलने की नहीं दे रहे हैं। (व्यवधान)

श्रीमती रेनु कुमारी (खगड़िया) : अध्यक्ष महोदय, क्या ये ही लोग बोलेंगे? हम लोगों की भी बात सुनिए। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You can conclude; I cannot give you permission again and again.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: You ask for a debate.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : They are not allowing me to speak.

श्री कांतिलाल भूरिया : आप पहले उनको तो बिठाइए। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: They will allow you provided you come to the point. You can just tell me what is your suggestion on the debate.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Please allow me to have my say. They continue to interrupt me.

...(Interruptions)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : जब हम लोगों को बोलने नहीं दिया जाएगा तो हम उन्हें भी नहीं बोलने देंगे। (व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : My demand is very simple. My suggestion to the hon. Prime Minister is also very simple. The hon. Prime Minister just stated that 70 lakh jobs have been created. This Government has completed three and a half years in office. As per their promise to the nation, by now three and a half crore jobs, at the rate of one crore jobs per year, had to be created. But the Prime Minister came to the conclusion and disclosed to the nation that in these three and a half years, out of three and a half crore jobs, he has created only 70 lakh jobs. The former Prime Minister Shri Chandra Shekhar has stated that the official report of the Khadi Commission says that 40 lakh jobs have been taken away. Forget about our figure. Seventy lakh jobs, minus forty lakh jobs means thirty lakh jobs. Therefore, out of three and a half crore jobs that the Prime Minister had committed to the nation, he provided only thirty lakh new jobs.

I demand that the Prime Minister should place on the table the exact retrenchment of workers in the public sector undertakings and also the report where the jobs have been totally destroyed and retrenched. With these figures the Prime Minister must come to the House. It is a betrayal to the nation after promising one crore jobs per year. The total number of jobs that the Government has claimed to have created is not substantiated by the actual job opportunities available. ...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Now I have permitted Shri Prabhunath Singh. प्रभुनाथ सिंह जी, अब आप शुरू कीजिए।

â€¦*(व्यवधान)*

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, जिस समय सीमा पर युद्ध हो रहा

था,â€¦*(व्यवधान)* सुन ही नहीं रहे हैं।â€¦*(व्यवधान)*

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Therefore, I feel the Prime Minister must make it clear to the nation that his Government has failed to fulfil the promise and took away more jobs than creating new ones. â€¦*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: I have permitted Shri Prabhunath Singh to speak and only he will speak now. Others may please sit down.

...*(Interruptions)*

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, जिस समय सीमा पर हमारे जवान शहीद हो रहे थे, उस समय उनकी लाश को ट्रांसपोर्टिंग करने के लिए 500 कास्केट्स का ऑर्डर भारत सरकार द्वारा दिया गया जिसमें से 150 कास्केट्स इस देश में आए जिस संबंध में एक करोड़ सत्तर लाख रुपया दिया गया था। दाम को लेकर कई बार विवाद भी हुआ है कि महंगे लिये गये हैं। 2500 अमरीकी डॉलर के हिसाब से एक कांट्रैक्ट हुआ था जबकि अमरीका ने उसके दाम पर अपनी मुहर लगा दी और उसने कहा किâ€¦*(व्यवधान)* जांच के बाद यह पाया गया कि 2768.40 रुपया प्रति कास्केट के हिसाब से प्राप्त हुआ है।â€¦*(व्यवधान)*

MR. SPEAKER: I have disallowed the request for suspension of Question Hour. I have also disallowed the Adjournment Motion before the House.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, इसमें से 90 लाख रुपये की वापसी के लिए भारत सरकार ने लिखा है लेकिन हिमाचल के चुनाव के दौरान विपक्ष की नेता श्रीमती सोनिया गांधी, जो गंभीर आरोपों से घिरी हुई हैं और जिन पर चार गंभीर आरोप हैं।â€¦*(व्यवधान)* पहला आरोप सिटीजनशिप की शैक्षणिक योग्यता का है \*  
â€¦*(व्यवधान)*

उन्होंने विपक्ष के नेता की गरिमा को समाप्त किया है।â€¦*(व्यवधान)* \* अध्यक्ष महोदय, हम आपसे कहना चाहते हैं कि â€¦*(व्यवधान)*

MR. SPEAKER: I would now go to the Question Hour.

...*(Interruptions)*

\* *Expunged as ordered by the Chair.*